आचार संहिता में स्कॉर्पियो से 1.02 करोड़ बरामद

बॉक्स में रखी थी रकम; बोले- प्लॉट बेचकर लाए हैं; पुलिस ने कैश जब्त की

पाली। निकाय चुनाव की आचार संहिता के बीच पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान स्कॉर्पियो से 1.02 करोड़ रुपए की कैश बरामद किया। रकम **SUV** में एक बॉक्स के अंदर छिपाकर ले जा रहे थे। पुलिस ने स्कॉर्पियो सवार महिला और युवक से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि प्लॉट बेचकर रकम ले जा रहे थे। पुलिस ने कैश जब्त कर दस्तावेजों और रकम के सोर्स की जांच शुरू कर दी है। कार्रवाई रविवार देर शाम तखतगढ़ में जालोर चौराहे पर नाकाबंदी के दौरान हुई।

तखतगढ़ थाने के **ASI** मकसूद खान ने बताया कि रविवार देर शाम जालोर चौराहे पर पुलिस नाकाबंदी कर रही थी। **ASI** दलपतसिंह, हेड कॉन्स्टेबल जगदीश राम और पुलिस टीम वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान सांडेराव की तरफ से एक स्कॉर्पियो आती दिखाई दी।

सूर्या रोशनी ने राजस्थान की सोसायटियों के साथ मिलकर ई-वेस्ट प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया

प्रभात अभिनन्दन न्यूज

जयपुर, 24 अगस्त (का.सं.)। सूर्या रोशनी लिमिटेड, जोकि लाइटिंग, वायर एवं केबल, पंखे, घरेलू उपकरण, पीवीसी पाइप, वॉटर पंप, वॉटर टैंक और स्टील पाइप्स के क्षेत्र में देश के सबसे भरोसेमंद नामों में से एक, ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए जयपुर, राजस्थान के विभिन्न आवासीय क्षेत्रों में अपने ई-वेस्ट कलेक्शन और जागरूकता अभियान का सफल आयोजन किया। यह पहल अधिकृत रीसाइक्लिंग एजेंसियों और स्थानीय रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों **(RWA)** के सहयोग से संचालित की गई, जिसका उद्देश्य लोगों को इलेक्ट्रॉनिक कचरे के सुरक्षित निपटान और जिम्मेदार रीसाइक्लिंग के प्रति जागरूक करना था।

जागरूकता और संग्रह अभियान जयपुर की चार आवासीय सोसायटियों-रॉयल ग्रीन अपार्टमेंट, वर्धमान संपदा, वर्धमान सिल्वर क्राउन और केडिया द ऑक्सीजन-में चलाया गया। इस दौरान निवासियों से पुराने और



अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक एवं विद्युत उत्पादों, जैसे लाइटिंग उत्पाद, घरेलू उपकरण और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान, को अधिकृत रीसाइक्लिंग चैनलों के माध्यम से निपटाने की अपील की गई। देश में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के बढ़ते उपयोग के साथ ई-वेस्ट का प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। यदि इसका सही तरीके से निपटान न किया जाए तो यह पर्यावरण को नुकसान पहुंचा सकता है और कई मूल्यवान संसाधनों की बर्बादी भी होती है। इस पहल के माध्यम से सूर्या रोशनी ने लोगों को जिम्मेदार ई-वेस्ट निपटान के महत्व और पर्यावरण संरक्षण में उनकी भूमिका के बारे में जागरूक करने का प्रयास किया।

कंपनी ने पूरे देश में ई-वेस्ट संग्रहण का एक मजबूत नेटवर्क विकसित किया है, जिसके माध्यम से उपभोक्ताओं से ई-वेस्ट एकत्र कर अधिकृत रीसाइक्लिंग केंद्रों तक सुरक्षित रूप से पहुंचाया जाता है। सूर्या रोशनी ई-वेस्ट (प्रबंधन) नियम, 2022, बैटरी वेस्ट मैनेजमेंट नियम तथा प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट नियम, 2016 के तहत अपनी सभी जिम्मेदारियों का पूरी तरह पालन करती है और सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त रीसाइक्लर्स के साथ मिलकर पर्यावरण अनुकूल रीसाइक्लिंग सुनिश्चित करती है।

इस अवसर पर सूर्या रोशनी लिमिटेड के सीईओ (लाइटिंग एवं कंज्यूमर ड्यूरेबल्स) वासुमित्रा पांडे ने कहा, पर्यावरण संरक्षण केवल कंपनियों की नहीं, बल्कि समाज और हर नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। हमारे ई-वेस्ट संग्रहण और जागरूकता अभियानों का उद्देश्य लोगों को जिम्मेदार निपटान के लिए प्रेरित करना और यह सुनिश्चित करना है कि पुराने उत्पाद अधिकृत रीसाइक्लिंग चैनलों के माध्यम से पुनर्चक्रित हों। सतत विकास हमारी कार्यशैली का अहम हिस्सा है और हम भविष्य में भी ऐसे प्रयासों को जारी रखेंगे जो संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा में योगदान दें।

उपभोक्ता स्तर पर चलाए जा रहे अभियानों के अलावा, सूर्या रोशनी ने अपने विनिर्माण संयंत्रों में भी ई-वेस्ट प्रबंधन के लिए स्पष्ट मानक संचालन प्रक्रियाएं **(SOPs)** लागू की हैं। कंपनी संसाधनों की पुनर्प्राप्ति और पुनः उपयोग को बढ़ावा देने वाली उन्नत प्रक्रियाओं का भी समर्थन करती है, जिससे पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में मदद मिलती है। यह पहल सूर्या रोशनी की व्यापक सतत विकास (सस्टेनेबिलिटी) रणनीति का हिस्सा है।

अवैध एकनाल टोपीदार बंदूक के साथ 48 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

बोराड़ा थाना पुलिस की कार्रवाई, हथियार जब्त कर आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज

प्रभात अभिनन्दन न्यूज

बोराड़ा, 24 अगस्त (दीपांकुर चौहान)। बोराड़ा थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को अवैध एकनाल टोपीदार बंदूक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हथियार जब्त कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।



पुलिस अधीक्षक अजमेर हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देश पर वांछित अपराधियों की धरपकड़ एवं अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर मदनपुरा की ढाणी झीरौता पहुंचकर दबिश दी। यहां आरोपी के कब्जे से अवैध हथियार बरामद किया गया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान नवरतन पुत्र भूरा, जाति बावरिया, उम्र 48 वर्ष, निवासी मदनपुरा की ढाणी झीरौता, थाना बोराड़ा, जिला अजमेर के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध एकनाल टोपीदार बंदूक बरामद की। आरोपी के खिलाफ थाना बोराड़ा में प्रकरण संख्या 84/2026 दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया है। कार्रवाई में थाना बोराड़ा के उपनिरीक्षक जगदीश प्रसाद, सहायक उपनिरीक्षक सुरेश चन्द्र, हेड कांस्टेबल कमल किशोर, कांस्टेबल गणेश एवं कांस्टेबल श्याम बाबू शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी के पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड की भी जानकारी दी है।

बाबा वैद्यनाथ धाम में पूजा-अर्चना के साथ वंदना मीणा की 12 ज्योतिर्लिंग यात्रा पूर्ण

परिवार सहित बाबा वैद्यनाथ के किए दर्शन, सुख-शांति और समृद्धि की कामना



गंगापुर सिटी, 24 अगस्त (मदन मोहन गर्ग)। महिला कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष वंदना मीणा ने अपने पति भुवनेश मीना सहित सपरिवार 12 ज्योतिर्लिंगों की पावन यात्रा के क्रम में झारखंड स्थित बाबा वैद्यनाथ धाम पहुंचकर पूजा-अर्चना की। बाबा वैद्यनाथ के दर्शन के साथ उनकी 12 ज्योतिर्लिंगों की धार्मिक यात्रा पूर्ण हुई।

वंदना मीणा ने कहा कि द्वादश ज्योतिर्लिंगों के दर्शन केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आत्मा को परमात्मा से जोड़ने वाली आध्यात्मिक अनुभूति रही। प्रत्येक ज्योतिर्लिंग के दर्शन से मन को शांति, हृदय को नई ऊर्जा और जीवन को नई दिशा मिली। उन्होंने महादेव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परिवार के साथ इस पुण्य यात्रा को पूर्ण करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने देवाधिदेव महादेव से सभी के जीवन से दुख-कष्ट दूर करने तथा प्रत्येक परिवार में सुख, शांति, समृद्धि, आरोग्य और प्रेम बनाए रखने की प्रार्थना की।

अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा सद्भावना दिवस समापन महोत्सव का भव्य आयोजन

नई दिल्ली में सम्पूर्ण भारतवर्ष से चयनित 85 प्रतिभाओं को मिला राजीव गांधी गौरव अवार्ड

प्रभात अभिनन्दन न्यूज



नई दिल्ली/जयपुर। विश्व बंधुत्व एवं विश्व बन्धुत्व एकामहे की कार्ययोजना को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने वाले संगठन अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा नई दिल्ली में भारत रत्न एवं देश के युवा पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी की जयंती के समापन अवसर पर सद्भावना दिवस समापन महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। समारोह का आयोजन 25 राष्ट्रों के राष्ट्रीय ध्वजों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम के दौरान वसुधैव कुटुम्बकम्, ग्लोबल विलेज एवं सत्यम् शिवम् सुन्दरम् की अवधारणा को मूर्त रूप देने तथा वैश्विक शांति, सामाजिक समरसता, मानव एकता एवं भारत की प्रतिष्ठा को विश्व स्तर पर सुदृढ़ करने की कार्ययोजना पर सामूहिक विचार-विमर्श किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. जितेन्द्र सिंह, पूर्व कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार, समारोह अध्यक्ष डॉ. एच. सी. गणेशिया, चांसलर एवं प्रसिद्ध कानूनविद्, विशिष्ट अतिथि सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. ए. पी. सिंह, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, नई दिल्ली के ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय समन्वयक चौधरी रोहताश बेदी, उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री हरीश रावत के राजनीतिक सलाहकार श्री हरपाल रावत, नेपाल राष्ट्र के जगतगुरु शिव शक्ति बाबा तथा अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच के संयोजक डॉ. कुलदीप प्रसाद शर्मा, एडवोकेट सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से चयनित-मुल सिंह नाथावत, डॉ0 तुहिना प्रकाश शर्मा, डॉ0 रणवीर सिंह यादव, सतनाम सिंह, सतेन्द्र पन्नु, डॉ0 औम प्रकाश शर्मा, एंव कालु राम सोनेल सहित 85 विशिष्ट प्रतिभाओं को उनके सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक, जनसेवा एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए राजीव गांधी गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के अंतर्गत प्रथम राजीव गांधी गौरव रत्न अवार्ड नेपाल राष्ट्र के जगतगुरु शिव शक्ति बाबा को प्रदान किया गया।

समारोह में अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच के संस्थापक एवं प्रेरणास्त्रोत विश्व रत्न स्वर्गीय श्री महावीर प्रसाद टोरड़ी के योगदान को भी श्रद्धापूर्वक याद किया गया। उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभाओं ने मंच की स्थापना तथा विश्व बंधुत्व, भारत-नेपाल मैत्री एवं सामाजिक समरसता के लिए उनके द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

यूपीआई के 10 वर्ष: बदलती भुगतान प्रणाली, सशक्त बनता भारत

लेखक: श्री अशोक चंद्र, एमडी एवं सीईओ, पंजाब नेशनल बैंक

प्रभात अभिनन्दन न्यूज

जयपुर/दिल्ली। लगभग दस वर्ष पूर्व एक बेहद साधारण मोबाइल-आधारित भुगतान प्रणाली के रूप में शुरू हुआ यूपीआई का सफर, आज भारत के आम नागरिकों के रोज़मर्रा के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। यह छात्रों, किसानों, छोटे दुकानदारों, कॉर्पोरेट पेशेवरों और आम परिवारों को एक ही डिजिटल सूत्र में पिरोता है। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के लिए **UPI** केवल एक तकनीकी नवाचार नहीं, बल्कि वित्तीय सेवाओं के संचालन और वितरण में आया एक क्रांतिकारी बदलाव है।



अप्रैल 2016 में भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने यूपीआई की शुरुआत की थी। उद्देश्य सीधा था-मोबाइल फोन के माध्यम से तत्काल, सुरक्षित और अलग-अलग बैंकों के बीच आसानी से भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराना। उस समय शायद यह कल्पना करना भी कठिन था कि यही व्यवस्था कुछ वर्षों में देश के डिजिटल भुगतान तंत्र की रीढ़ बन जाएगी।

एक दशक में असाधारण विस्तार

वित्त वर्ष 2016-17 में जहां यूपीआई के माध्यम से लगभग 2 करोड़ लेन-देन हुए थे, वहीं वित्त वर्ष 2025-26 में यह आंकड़ा बढ़कर 24,000 करोड़ से अधिक हो गया। अर्थात करीब 12,000 गुना की वृद्धि। इसी अवधि में यूपीआई नेटवर्क से जुड़े बैंकों की संख्या भी 44 से बढ़कर 700 से अधिक हो गई।

जुलाई 2026 में भारत ने डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए 23.66 अरब यूपीआई (क्ष्) लेन-देन दर्ज किए, जिनका कुल मूल्य ?29.88 ट्रिलियन तक पहुँच गया। इसका अर्थ यह है कि देश भर में प्रति दिन औसतन 76.3 करोड़ डिजिटल भुगतान निष्पादित किए गए। इन आंकड़ों की विशालता को समझने के लिए किसी बड़े मॉल या कॉरपोरेट दफ्तर की जरूरत नहीं है। सब्जी की रेहड़ी पर चिपका एक क्यूआर कोड, चाय की दुकान पर रखा छोटा-सा बोर्ड या मोहल्ले की किराना दुकान पर लगा यूपीआई स्वीकार है का चिन्ह ही इस बदलाव की सबसे सहज तस्वीर है।

लेकिन यूपीआई की सबसे बड़ी कहानी केवल आंकड़ों में नहीं है। असली बदलाव उस जगह दिखाई देता है जहां डिजिटल भुगतान अब किसी नई तकनीक जैसा नहीं लगता।

इस वृद्धि का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका भौगोलिक विस्तार है। अब डिजिटल बैंकिंग की यह रफ्तार केवल मुंबई, दिल्ली या बेंगलुरु जैसे मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं है। भारत के टियर-2, टियर-3 शहर और ग्रामीण इलाके इस क्रांति के नए केंद्र हैं। दैनिक राशन, ट्यूशन फीस, दूध का भुगतान, स्थानीय परिवहन से लेकर धार्मिक स्थलों में दान तक, हर छोटे-बड़े लेन-देन के लिए क्ष्ु प्राथमिक साधन बन चुका है। यह कागजी नीतियों से इतर ज़मीनी स्तर पर साकार होता वास्तविक वित्तीय समावेशन है।

यूपीआई की इस सफलता के पीछे बैंकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही है। बैंकिंग संस्थानों द्वारा तकनीकी ढांचे, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी की निगरानी, ग्राहक सेवा और परिचालन क्षमता में लगातार निवेश किया गया है। साथ ही, ग्राहकों तक पहुंचने और उन्हें बैंकिंग सेवाएं देने के तरीके में भी बदलाव आया है।

तकनीकी नवाचार के साथ सुविधाजनक समावेशन

यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण इसकी सरलता और समावेशी प्रकृति है। अंतर परिचालन के कारण ग्राहक अलग-अलग बैंकों के खातों के बीच तत्काल भुगतान कर सकता है। छोटे व्यापारियों के लिए शून्य एमडीआर ने डिजिटल भुगतान को अपनाना आसान बनाया है।

कम राशि के त्वरित भुगतान के लिए यूपीआई लाइट, फीचर फोन उपयोगकर्ताओं के लिए यूपीआई 123पे, तथा यूपीआई पर क्रेडिट लाइन और यूपीआई पर रुपे क्रेडिट कार्ड जैसी सुविधाओं ने यूपीआई के दायरे को और व्यापक किया है।

अब यूपीआई सर्किल और भारतीय भाषाओं में वॉयस आधारित भुगतान जैसी सुविधाएं भी सामने आ रही हैं। इससे उन लोगों के लिए डिजिटल भुगतान आसान हो रहा है जो स्मार्टफोन ऐप या अंग्रेजी आधारित डिजिटल इंटरफेस के साथ सहज नहीं हैं। बुजुर्गों, युवाओं, परिवार के सदस्यों और छोटे कारोबारियों के लिए यह बदलाव खास मायने रखता है।

भुगतान से आगे-क्रेडिट की नई राह

यूपीआई का प्रभाव केवल भुगतान तक सीमित नहीं है। डिजिटल लेन-देन ने बैंकों को उन छोटे व्यापारियों और ग्राहकों के आर्थिक व्यवहार को समझने का अवसर दिया है जो पहले औपचारिक ऋण व्यवस्था में लगभग अदृश्य थे।

किराना दुकानदार, छोटे व्यवसायी, अस्थायी कर्मकार और स्वरोजगार करने वाले लोग अक्सर पारंपरिक ऋण के लिए पर्याप्त क्रेडिट हिस्ट्री या दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा पाते। नियमित डिजिटल लेन-देन से उनके कारोबार की एक वित्तीय तस्वीर तैयार होती है। जिम्मेदारी और उचित डेटा सुरक्षा के साथ इसका उपयोग नए ऋण उत्पाद तैयार करने में किया जा सकता है।

बैंकों की भूमिका और नई चुनौतियां

हालांकि, हर बड़ी सुविधा के साथ कुछ चुनौतियां भी आती हैं। यूपीआई धोखाधड़ी, फर्जी क्यूआर कोड, पहचान की नकल कर किए जाने वाले फोन, फिशिंग लिंक और सोशल इंजीनियरिंग के जरिए ठगी आज गंभीर चिंता का विषय हैं। बैंक लगातार रियल-टाइम फ्रॉड मॉनिटरिंग, सुरक्षा प्रणालियों और ग्राहक जागरूकता पर निवेश कर रहे हैं। क्योंकि डिजिटल भुगतान की असली ताकत केवल उसकी गति नहीं, बल्कि उस पर लोगों का भरोसा है।

यूपीआई का भविष्य

आज सब्जी वाले की रेहड़ी से लेकर बड़े कारोबारी प्रतिष्ठान तक लगा छोटा-सा क्यूआर कोड हमें यही याद दिलाता है कि भारत की डिजिटल क्रांति कोरी कल्पना मात्र नहीं है। यह हमारे हाथ में मौजूद मोबाइल फोन में है, हमारे रोजमर्रा के लेन-देन में है और उस भरोसे में है, जिसके साथ देश का आम नागरिक कहता है-यूपीआई कर दीजिए।

भाजपा का विजय शंखनाद, चौथी बार बोर्ड बनाने का लिया संकल्प,

विजय संकल्प सम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब, कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रत्याशियों को जिताने का लिया संकल्प

गंगापुर सिटी, 24 अगस्त (मदन मोहन गर्ग)। आगामी नगर निकाय चुनाव को लेकर भाजपा की ओर से रविवार को निजी पैलेस में विजय संकल्प विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी शामिल हुए और नगर परिषद गंगापुर सिटी में चौथी बार भाजपा का बोर्ड बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।



भाजपा जिला सह मीडिया प्रमुख धनेश शर्मा ने बताया कि सम्मेलन के मुख्य अतिथि नगर निकाय चुनाव सह प्रभारी एवं भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रिणवा रहे। विशिष्ट अतिथि संगठन जिला प्रभारी संजय नरूका, नगर निकाय जिला प्रभारी कैलाश शर्मा तथा नगर निकाय संयोजक एवं निवर्तमान सभापति शिवरतन अग्रवाल रहे। अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने की।

हरिराम रिणवा ने कहा कि सम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब भाजपा की मजबूत स्थिति का प्रमाण है और गंगापुर सिटी में चौथी बार भाजपा की जीत सुनिश्चित है। जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने कार्यकर्ताओं से संगठन द्वारा अधिकृत प्रत्याशी को पूरी ताकत से जिताने का आह्वान किया।

सम्मेलन में वजीरपुर के निवर्तमान नगरपालिका अध्यक्ष मुकेश बैरवा एवं वजीरपुर महावर समाज तहसील अध्यक्ष इन्द्रलाल महावर ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम का मंच संचालन जिला महामंत्री विनोद अटल ने किया। अंत में कार्यकर्ताओं व उपस्थित जनसमूह ने हाथ उठाकर नगर परिषद में भाजपा का बोर्ड बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

इण्डियन ओवरसीज बैंक

शाखा : पंजाबी बाग, 1/52, नॉर्थ एवेन्यू रोड, पंजाबी बाग (पश्चिम), नई दिल्ली 110026
फोन : 8925950687 ईमेल : iob0687@iob.bank.in

कब्जा नोटिस
(अचल संपत्ति के लिए) [(नियम 8(1)]

जबकि नीचे हस्ताक्षर करने वाले अधिकारी, इंडियन ओवरसीज बैंक के अधिकृत अधिकारी हैं और सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल एसेट्स एंड एनफोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के तहत तथा शसिक्योरिटी इंटरेस्ट (एनफोर्समेंट) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पढ़े जाने वाले सेक्शन 13(12) के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, उन्होंने 21.05.2026 को एक डिमांड नोटिस जारी किया था। इस नोटिस में उधारकर्ता श्री महेश कुमार पिता श्री बाबूलाल भंवरलाल शर्मा, निवासीः जाजू भवन के पास, वार्ड नंबर 9, बीर छप्पर, चूरू, सुजानगढ़, राजस्थान 331502 अन्य पतेः छाया कुंज, जाजू भवन के पास, पोस्ट ऑफिस छप्पर, जिला चूरू, राजस्थान 331502 और विला नंबर/प्लॉट नंबर 105, खसरा नंबर 1887/1651, श्री बालाजी नगर-I, गांवः गुरावड़ी, पटवार हल्का, तहसील-सुजानगढ़, जिला चूरू, राजस्थान 331507 – जिन्हें आगे उधारकर्ता और बंधककर्ता कहा गया है) से कहा गया था कि वे नोटिस में बताई गई रकम यानी 20.05.2026 तक रुपये12,37,993.30 (रुपये बारह लाख सैंतीस हजार नौ सौ तिरानवे और तीस पैसे) का भुगतान करें। साथ ही, उन्हें कॉन्ट्रैक्ट के अनुसार तय दरों और शर्तों पर अतिरिक्त ब्याज, शुल्क आदि का भुगतान भी करना होगा, जो रकम की वसूली की तारीख तक लागू रहेंगे। यह भुगतान नोटिस मिलने की तारीख से 60 दिनों के भीतर करना था।

(1) उधार लेने वालों द्वारा रकम न चुका पाने के कारण, उधार लेने वालों और आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि नीचे बताई गई सम्पति का कब्जा, उक्त एक्ट की धारा 13(4) और उक्त नियमों के नियम 8 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, हस्ताक्षरकर्ता ने 21 अगस्त 2026 को कब्जा ले लिया है।

(2) खास तौर पर उधार लेने वालों और आम जनता को चेतावनी दी जाती है कि वे इस प्रॉपर्टी का कोई लेन-देन न करें। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई भी लेन-देन इंडियन ओवरसीज बैंक के रू. 12,37,993.30 (रुपये बारह लाख सैंतीस हजार नौ सौ तिरानवे और तीस पैसे) के चार्ज के अधीन होगा। यह रकम 20.05.2026 तक की है, जिस पर तय दरों और शर्तों के अनुसार ब्याज, चार्ज आदि लगेंगे। यह रकम डिमांड नोटिस में बताई गई तारीख से लेकर पेमेंट की तारीख तक की है, जिसमें डिमांड नोटिस जारी होने के बाद किए गए किसी भी रीपेमेंट (भुगतान) को घटा दिया जाएगा। कब्जा लेने की तारीख तक देय राशि रू.12,74,103.30 (रुपये बारह लाख चौहत्तर हजार एक सौ तीन और तीस पैसे) है, जिस पर पेमेंट की तारीख तक तय दरों और शर्तों के अनुसार अतिरिक्त ब्याज, चार्ज आदि भी देने होंगे।

(3) उधार लेने वालों का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर दिलाया जाता है, जो उन्हें सुरक्षित संपत्तियों को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय के बारे में हैं।

अचल संपत्ति का विवरण

विला नंबर/प्लॉट नंबर 105, खसरा नंबर 1887/1651, श्री बालाजी नगर-I, गांव, गुरावड़ी, पटवार हल्का, तहसील-सुजानगढ़, जिला चूरू, राजस्थान-331507 का साम्यिक बंधक। मालिक श्री महेश कुमार, (उधारकर्ता/बंधककर्ता) क्षेत्रफलः 81.97 वर्ग मीटर
सीमाएँ
उत्तर : प्लॉट नंबर 106 — दक्षिण : प्लॉट नंबर 104,
पूर्व : 30 फीट चौड़ी सड़क, — पश्चिम : प्लॉट नंबर 74

दिनांक : 24.08.2026
स्थान : दिल्ली
हस्ताक्षर/–
प्राधिकृत अधिकारी
इण्डियन ओवरसीज़ बैंक

आम सूचना

फर्म श्री श्याम मिनरल्स, गांव रतनपुरा तहसील मसूदा जिला ब्यावर फर्म रजिस्ट्रेशन नंबर 17/01/23/2017, एम.एल.न. 211/06 तारीख 27/04/2017 से हे पार्टनरशिप डीड में दिनांक 24/08/26 से पार्टनर में परिवर्तन हो रहा है।
* 1. भोजराज धनजानी पिता श्री टोपनदास धनजानी, (निरंतर पार्टनर दिनांक 24/08/26 से हिस्सा 50.00%)
* 2. अशोक कुमार महला पुत्र रामपाल सिंह महला, (नया प्रवेश पार्टनर दिनांक 24/08/2026 से हिस्सा 50.00%)
* 3. सचिन धनजानी पिता श्री भोजराज धनजानी (सेवा निवर्त पार्टनर दिनांक 24/08/2026 से)
उक्त परिवर्तन से सभी पार्टनर सहमत हैं यदि किसी को भी आपत्ति हो तो उक्त सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर जिला उद्योग उद्योग केंद्र ब्यावर और फर्म के पते पर आपत्ति दर्ज करवाए उक्त परिवर्तन से सभी भागीदार पूर्ण रूप से सहमत है फर्म के पार्टनर में भी कोई विवाद नहीं है।
फर्म का पता
श्री श्याम मिनरल्स,
एम.एल.न. 211/06 ग्राम रतनपुरा,तहसील मसूदा, जिला ब्यावर
मोबाइल नंबर - 9414004881

SMFG India Credit — एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड

Pragati Ki Nayi Pehchaan
कंपनी कार्यालय, 10वीं मंजिल, कार्यालय संख्या 101, 102 और 103, 2 नॉर्थ एवेन्यू, मेकर मैक्सिटी, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व, मुंबई – 400051

कब्ज़ा सूचना (अचल संपत्ति के लिए)
(सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (1) के अंतर्गत)

जबकि अधोहस्ताक्षरी, एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी होने के नाते, जिसका पंजीकृत कार्यालय कॉमर्सज़ोन आईटी पार्क, टावर बी, पहली मंजिल, नंबर 111, माउंट पूनमल्ले रोड, पोरूर, चेन्नई – 600116 में और कॉर्पोरेट कार्यालय 11वीं मंजिल, सी विंग, एम्बेसी 247, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, विक्रोली पश्चिम, मुंबई – 400083 में स्थित है, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (54 ऑफ 2002) के तहत, और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 14/03/2026 को मांग नोटिस जारी किया, जिसमें **(1) सपना वैष्णव (2) श्री कृष्णा एजेंसी (3) राज कुमार वैष्णव ऋण खाता संख्या # 213820911354662 के अंतर्गत** नोटिस जारी किया गया। नोटिस में उल्लेखित राशि **रूपये 39,19,639.00/- (उनतालीस लाख उन्नीस हज़ार छह सौ उनतालीस रुपये मात्र) 06/03/2026 तक** उक्त नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर चुकाने का निर्देश दिया जाता है।

ऋणकर्ता(ओं) द्वारा राशि का पुनर्भुगतान न कर पाने की स्थिति में, ऋणकर्ता(ओं) और आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के साथ-साथ सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, **दिनांक 23 अगस्त, 2026** को नीचे वर्णित संपत्ति पर **भौतिक कब्जा** कर लिया है।

उधारकर्ता को विशेष रूप से और आम जनता को इसके द्वारा आगाह किया जाता है कि वे संपत्ति से संबंधित कोई भी लेन-देन न करें और संपत्ति से संबंधित कोई भी लेन-देन एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा, जिस पर दिनांक 0610312026 तक **रूपये 39,19,639.00/- (उनतालीस लाख उन्नीस हज़ार छह सौ उनतालीस रुपये मात्र) 06/03/2026 तक** का शुल्क और उस पर ब्याज लागू होगा।

उधारकर्ता का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है, जो कि सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय से संबंधित हैं।

अचल संपत्ति का विवरण

संपत्ति की मालकिन – श्रीमती सपना वैष्णव
प्लॉट संख्याः बी-71, स्कीम किंग्स रेजिडेंसी, ग्राम – मंडौ, तहसील – सांगानेर, जयपुर, राजस्थान, क्षेत्रफलः 200 वर्ग गज। चारों ओर से सीमाएँः पूर्वः प्लॉट संख्या बी-72, पश्चिमः प्लॉट संख्या बी-70, उत्तरः 30 फीट चौड़ी सड़क, दक्षिणः प्लॉट संख्या बी-74 और बी-75

दिनांकः 23/08/2026
स्थानः जयपुर (राज.),
हस्ताक्षर/- अधिकृत अधिकारी
एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड (''एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट''),

ART HOUSING FINANCE — एआरटी हाउसिंग फाईनांस (इंडिया) लिमिटेड

Own your dreams
(पूर्व में आर्ट एफोर्डेबल हाउसिंग फाइनांस (इंडिया) लिमिटेड विदित)
पंजी. कार्यालयः 107, प्रथम तल, बेस्ट स्काई टॉवर, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, नई दिल्ली-110034
शाखा कार्यालय : 49, उद्योग विहार, फेज 4, गुरुग्राम, हरियाणा 122015

परिशिष्ट-IV {देखें नियम 8 (1)}
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिये)

जैसा कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत **एआरटी हाउसिंग फाइनांस (इंडिया) लिमिटेड [CIN NO. U64920DL2013PLC255432]** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने ऋण खाता सं. **LNJPRO2724-250010789** के लिए मांग सूचना तिथि **18.06.2026** को एक डिमांड नोटिस जारी किया था। जिसमें ऋणधारकों **श्री मुकेश प्रजापत और श्रीमती सरिता** से **08.06.2026** तक की बकाया राशि **रूपये 51,58,363/- (इक्यावन लाख अट्ठावन हजार तीन सौ तिरसठ रूपये मात्र)** और उस पर लगने वाले ब्याज को नोटिस मिलने की तारीख से 60 दिनों के भीतर चुकाने के लिए कहा गया था।

ऋणधारक, इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारकों तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आज दिनांक **21.08.2026** को अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय **दि. 08.06.2026** तक देय **रूपये 51,58,363/- (इक्यावन लाख अट्ठावन हजार तीन सौ तिरसठ रूपये मात्र)** तथा उस पर ब्याज के लिये **एआरटी हाउसिंग फाइनांस (इंडिया) लिमिटेड** के चार्ज के अधीन होगा।

ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकर्षित की जाती है।

अचल संपत्ति का विवरण

प्लॉट नंबर 54, जो शिव विहार, मीनावाला, जयपुर, राजस्थान में स्थित है (कुल क्षेत्रफल 136.80 वर्ग गज में से 68.4 वर्ग गज), जिसकी सीमाएँ इस प्रकार हैं:
पूर्व : प्लॉट नंबर 55 — पश्चिम : प्लॉट नंबर 54
उत्तर : प्लॉट नंबर 59 — दक्षिण : 30 फीट चौड़ी सड़क

तिथि : 21.08.2026
स्थान : जयपुर (राजस्थान)
प्राधिकृत अधिकारी
एआरटी हाउसिंग फाइनांस (इंडिया) लिमिटेड

pnb Housing Finance Limited — Ghar Ki Baat

परिशिष्ट -IV-ए - ई-नीलामी-अचल संपत्ति/संपत्तियों की सार्वजनिक बिक्री सूचना

ई-नीलामी-अचल संपत्ति/संपत्तियों की सार्वजनिक बिक्री सूचना ई-नीलामी-वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत अचल परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के प्रावधान के साथ पठित)
रजि. कार्यालयः- 9वीं मंजिल, अंतरिक्ष भवन, 22 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001, फोनः-011-23357171, 23357172, 23705414, वेबसाईटः-www.pnbhousing.com
शाखा का पताः पहली मंजिल, प्लॉट नं. 1ए-7, तलवंडी, एलन लैंडमार्क बिल्डिंग के पास, कोटा - 324005, राजस्थान

इसके द्वारा आम जनता को तथा विशेष रूप से कॉलम संख्या-ए में दर्शाए गए उधारकर्ता(ओं) एवं गारंटीकर्ता(ओं) को सूचित किया जाता है कि कॉलम संख्या-डी में वर्णित नीचे वर्णित अचल संपत्ति (संपत्तियां) जो सुरक्षित ऋणदाता को बंधक रखी गई है, जिसका रचनात्मक/भौतिक कब्जा **मैसर्स पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड**/सुरक्षित ऋणदाता के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा (जैसा कॉलम संख्या-सी में वर्णित है) ले लिया गया है, उसे नीचे उल्लेखित विवरण के अनुसार **''जहां है जैसा है, जो है जैसा है और जो भी है के आधार पर''** बेचा जाएगा। एतद्वारा, संबंधित उधारकर्ताओं/बंधककर्ता(ओं)/कानूनी वारिसों, कानूनी प्रतिनिधियों (ज्ञात या अज्ञात), निष्पादकों, प्रशासकों, उत्तराधिकारियों, समनुदेशिती(ओं) को सूचित किया जाता है, जैसा भी मामला हो, जैसा कि प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम, 2002 के संशोधित नियम-8(6) और 9 के अंतर्गत कॉलम संख्या-ए में दर्शाया गया है। बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया **मैसर्स पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड/सुरक्षित ऋणदाता की वेबसाइट www.pnbhousing.com** पर दिए गए लिंक को देखें।

ऋण संख्या का नाम उधारकर्ता/सह- उधारकर्ता/गारंटर / कानूनी उत्तराधिकारी(ए)	मांग की राशि और तारीख (बी)	कब्ज़ा की प्रकृति (सी)	गिरवी रखी गई संपत्तियाँ का विवरण (डी)	आरक्षित मूल्य (आरपी)(ई)	ईएमडी (10% का आरपी) (एफ)	बोली जमा करने की अंतिम तिथि (जी)	बोली वृद्धि मानसिक दर (एच)	निरीक्षण दिनांक और समय (आई)	नीलामी की तिथि एवं समय (जे)	एनोउन एनकम ब्रैंस कोर्ट केस, यदि कोई हो (के)
एचओए/आरकेओटी/0324/1231203 मनोज कुमार/पायल बागवान, बी.ओ.: रोशनी कोटा	रु. 776886.74/- 15.04.25 तक	भौतिक	संपत्ति पट्टा संख्या 5859, खसरा संख्या 221, ग्राम फ़तेहपुर ग्राम पंचायत बुधखान पंचायत समिति खेराबाद, कोटा, राजस्थान - 326520 में स्थित है।	रु. 937000	रु. 93700	09.09.26	रु. 10,000	02-09-26, 10:00 एएम से 5:30 पीएम	10.09.26 02.00 पीएम से 03.00 पीएम	*कुछ नहीं/ ज्ञात नहीं
एनएचएल/आरकेओटी/0824/5056325 महेंद्र सिंह/नंदकवर हाड़ा, बी.ओ.: रोशनी कोटा	रु. 1039445.82/- 14.05.25 तक	भौतिक	संपत्ति पट्टा संख्या 423, कुन्हाड़ी तहसील - लाडपुरा, वार्ड नंबर 02, कुन्हाड़ी, राजस्थान, 324005 में स्थित है	रु. 1212000	रु. 121200	09.09.26	रु. 10,000	02-09-26, 10:00 एएम से 5:30 पीएम	10.09.26 02.00 पीएम से 03.00 पीएम	*कुछ नहीं/ ज्ञात नहीं

*18% प्रति वर्ष की दर से अतिरिक्त ब्याज के साथ जैसा लागू हो, भुगतान और/या उसकी वसूली की तारीख तक किए गए आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क आदि। **पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी और जानकारी के अनुसार, उपरोक्त उल्लेखित अचल/सुरक्षित संपत्तियों के संबंध में कॉलम संख्या-के में बताए गए को छोड़कर कोई अन्य बाधा/दावा नहीं है। सफल क्रेता/बोलीदाता द्वारा अपनी ओर से पूरा किया/भुगतान किया जाएगा। संभावित क्रेता/बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे उल्लेखित बाधाओं की सत्यता का स्वतंत्र रूप से पता लगाएं। (1.) आज तक, पीएनबीएचएफएल/पीएनबीएचएफएल के अधिकृत अधिकारी को उपरोक्त अचल संपत्तियों/सुरक्षित संपत्तियों को बेचने, अलग करने और/या निपटाने से रोकने वाला कोई आदेश और/या अदालती निषेधाज्ञा नहीं है और स्थिति कॉलम संख्या-के में उल्लेखित है। (2.) संभावित क्रेता/बोलीदाता और इच्छुक पक्ष स्वतंत्र रूप से कॉलम संख्या-के में बताई गई कार्यवाही/पारित आदेशों आदि में दलील का निरीक्षण कर सकते हैं। जिसमें पीएनबीएचएफएल के पास उपलब्ध स्वामित्व से संबंधित दस्तावेजों का शीर्षक शामिल है, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं है और निविदा/बोली आवेदन पत्र जमा करने या प्रस्ताव देने से पहले सभी मामलों में खुद को संतुष्ट करते हैं। बोली लगाने वालों को बोली प्रपत्र के साथ इस नीलामी के नियमों और शर्तों पर हस्ताक्षर करना होगा। (3.) कृपया ध्यान दें कि सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(3) के अनुसार, बोलीदाता/खरीदार कानूनी रूप से बिक्री मूल्य की राशि का 25% जमा करने के लिए बाध्य है, (इसमें शामिल है) बयाना राशि का) उसी दिन या अगले कार्य दिवस के बाद नहीं। सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(2) के अनुसार सुरक्षित लेनदार द्वारा बिक्री मूल्य का 25% प्राप्त होने के बाद ही (बोली लगाने वालों) के पक्ष में बिक्री की पुष्टि की जा सकती है। शेष 75% बिक्री पुष्टिकरण पत्र की पावती की तारीख से 15 दिनों के भीतर क्रेता को बिक्री प्रतिफल राशि जमा करनी होगी और ऐसी जमा राशि में चूक होने पर, अधिकृत अधिकारी बिक्री का आंशिक भुगतान जब्त कर लेगा। बिक्री पुष्टिकरण पत्र में उल्लेखित 15 दिनों की अनिवार्य अवधि की समाप्ति की तारीख से 15 दिनों के भीतर प्रतिफल राशि और संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति को सरफेसी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार फिर से बेचा जाएगा। (4.) मैसर्स सी1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ई-नीलामी के माध्यम से बिक्री के संचालन में प्राधिकृत अधिकारी की सहायता करेगा, जिसका कॉर्पोरेट कार्यालय प्लॉट नंबर 68, तीसरी मंजिल, सेक्टर 44, गुड़गांव, हरियाणा 122003 में है। वेबसाइट - **www.bankeauctions.com** संपत्ति के निरीक्षण से संबंधित किसी भी सहायता या बोली दस्तावेज प्राप्त करने और किसी अन्य प्रश्न या पंजीकरण के लिए, आपको **श्री अनमोल मक्कर, टोल फ्री नंबर -1800120 8800, ई-मेलः auction@pnbhousing.com** के साथ समन्वय करना होगा, जो पीएनबीएचएफएल का अधिकृत व्यक्ति है या **www.pnbhousing.com** देखें।
स्थानः- कोटा, दिनांक- 24.08.2026
एसडी/-प्राधिकृत अधिकारी, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

VASTU HOUSING FINANCE — वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

यूनिट 203 और 204, दूसरी मंजिल, ''ए'' विंग, नवभारत एस्टेट, जकारिया बंदर रोड, सिवड़ी (पश्चिम), मुंबई 400015 महाराष्ट्र
CIN No.: U65922MH2005PLC272501

कब्ज़ा नोटिस

जबकि, प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी के रूप में, तथा सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की धारा 13(12) और नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैंने नीचे उल्लेखित उधारकर्ताओं को उक्त नोटिस की प्राप्ति तिथि से 60 दिनों के भीतर संबंधित नोटिस में उल्लेखित राशि का भुगतान करने हेतु मांग नोटिस जारी किया था। उधारकर्ताओं द्वारा राशि का भुगतान न कर पाने पर, मैंने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) और नियम 8 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे उल्लेखित तिथि को नीचे वर्णित संपत्ति पर कब्जा कर लिया है। ऋणकर्ता और गारंटर को विशेष रूप से और आम जनता को यह चेतावनी दी जाती है कि वे संपत्ति से संबंधित कोई भी लेन-देन न करें और संपत्ति से संबंधित किसी भी प्रकार का लेन-देन वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड शाखा द्वारा नीचे उल्लेखित राशि और उस पर ब्याज, लागत आदि के शुल्क के अधीन होगा।

क्र. सं.	उधारकर्ता, सह-उधारकर्ता का नाम और लैन नंबर	मांग सूचना की दिनांक और राशि	संपत्ति का विवरण	दिनांक और प्रकार का स्वामित्व
1.	लाली (उधारकर्ता), श्री/श्रीमती कृष्ण कुमार (सह-उधारकर्ता), श्री/श्रीमती राम चंदर (सह-उधारकर्ता), श्री/श्रीमती लीलूराम (गारंटर) MHL000000162143	18-मई-26 रूपये 3,59,283/- 15-मई-26 तक	अचल संपत्ति के सभी हिस्से और पार्सल, प्लॉट संख्या 41, चक संख्या 17, आरडब्ल्यूडी, नोहर, हनुमानगढ़, राजस्थान 335523 में स्थित। संपत्ति का क्षेत्रफलः 1350 वर्ग फुट। सीमाएँ इस प्रकार हैंः उत्तर - प्लॉट संख्या 40, दक्षिण - प्लॉट संख्या 42, पूर्व - कृषि भूमि, पश्चिम - 19 फुट चौड़ा आम रास्ता।	सांकेतिक कब्ज़ा लिया गया 20 अगस्त, 2026
2.	हरजीराम बैरवा (उधारकर्ता), श्री/श्रीमती विमला देवी (सह-उधारकर्ता), श्री/श्रीमती हरि राम (गारंटर) LP0000000046829	21-मई-26 रूपये 4,77,277/- 12-मई-26 तक	अचल संपत्ति के सभी हिस्से और पार्सल, अचल संपत्ति पट्टा संख्या 1 ग्राम डोबरिया ग्राम पंचायत खातोली, पंचायत समिति उनियारा जिला टोंक राज में स्थित है, माप क्षेत्र 82.18 वर्ग गज, सीमाएं इस प्रकार हैं- उत्तर - जंसी बैरवा का घर दक्षिण - हरिराम बैरवा का घर पूर्व - मदन माली का नोहरा पश्चिम - आम रास्ता	सांकेतिक कब्ज़ा लिया गया 20 अगस्त, 2026

दिनांक : 25.08.2026
स्थान : हनुमानगढ़, टोंक
अधिकृत अधिकारी
वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

स्वत्वाधिकारी स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक युवराज सिंह के लिए सोनू वेब ऑफसेट, नींदड़ मोड़ के सामने, हरमाड़ा-सीकर रोड, जयपुर से मुद्रित व प्रकाशित किया जाता है। सम्पादक युवराज सिंह, पत्रों में लेखकों द्वारा व्यक्त किये गये विचारों से सम्पादक एवं प्रकाशक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय सम्बन्धी सभी मामले जयपुर में निपटाये जायेंगें। प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना पूर्णतः व आंशिक व पूर्ण प्रकाशन पूर्णतः प्रतिबन्धित है। सम्पादक-युवराज सिंह मोबाईल नम्बर : 9829410051 ई-मेलः yuvrajsinghh@gmail.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन नम्बर RJ/JPC/D-009/2006-08